- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

02 जन सुराज कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर संपन्न

04 जिलाधिकारी द्वारा एफएलसी कार्य का लिया गया जायज

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 26 नवम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 287

आज का दिन ऐतिहासिक : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, लिखा है कि भारतीय विमानन क्षेत्र के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि घरेलू यात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड कायम करने के साथ ही विमानन क्षेत्र ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या में भी एक नया कीर्तिमान हासिल किया है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लिखा है कि 4.63 लाख दैनिक घरेलू यात्रियों को ले जाने के मील के पत्थर तक पहुंचने के बाद इस क्षेत्र ने 1 लाख से अधिक दैनिक अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को ले जाने की एक और उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने यह भी लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम इस क्षेत्र को सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कांग्रेस व बीआरएस ने किया विश्वासघात: मोदी

तेलंगाना विस चुनाव के प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने जनता को किया संबोधित

बीएनएम@नई दिल्ली

प्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तेलंगाना के लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने वादा किया कि विधानसभा के चुनाव में जीत के बाद भाजपा पिछड़े वर्ग से मुख्यमंत्री बनाएगी।

नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के कामारेड्डी में एक चुनावी जनसभा में भाजपा को वादा पूरा करने वाली पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि हल्दी बोर्ड का गठन और जनजातीय विश्वविद्यालय का वादा हमने पूरा किया है। राज्य के दलितों के एक वर्ग माडिगा को सशक्त करने के लिए केंद्र सरकार प्रयास कर रही है। इस संबंध में उन्होंने कल अधिकारियों से बातचीत भी की है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। वहां भी केंद्र सरकार पुरजोर तरीके से इस वर्ग के हित की बात करेगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य की केसीआर सरकार ने सिंचाई परियोजनाओं को एटीएम के तौर पर इस्तेमाल किया है। हर सिंचाई परियोजना में भ्रष्टाचार हो रहा है। परियोजना की लागत लगातार बढ़ रही है और काम पूरा नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार ने युवाओं की उपेक्षा की और उनके शिक्षा और रोजगार के लिए कोई काम नहीं किया।

कांग्रेस और बीआरएस को भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और परिवारवाद से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बीआरएस पहले टीआरएस थी और कांग्रेस के गठबंधन का नाम पहले यूपीए था। अब इन्होंने अपने नाम बदल लिए हैं लेकिन नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार एमएसपी के तहत 20 लाख टन की अतिरिक्त खरीद करेगी। साथ ही गरीबों को अगले 5 वर्षों तक मुफ्त राशन मिलता रहेगा। उन्हें विश्वास है कि तेलंगाना और तेलुगु लोगों ने मुश्किल वक्त में जिस तरह से भाजपा का साथ दिया है वह आगे भी साथ देते रहेंगे।

नोएडा के थाना सेक्टर-113 में चलती कार में आग लगी, दो लोग जिंदा जले

बीएनएम@गौतमबुद्धनगर

घटना के बाद कार में लगी आग को बुझाते फायर ब्रिगेड के कर्मचारी। ● बीएनएम

नोएडा के थाना सेक्टर-113 इलाके में शनिवार सुबह एक कार में आग लग गई। इस दौरान कार सवार दो लोग जिंदा जल गए। पुलिस ने शवों को कार से बाहर निकाल लिया है।

यह हादसा आम्रपाली प्लेटिनम सोसायटी सेक्टर-119 में सुबह करीब छह बजे हुआ। सूचना पाकर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड की टीम ने आग को बुझाया। पुलिस का कहना है कि फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल की जांच की गई। नोएडा के एडीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि कार से दो लोगों के शव बरामद हुए। मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

घर में लगी आग, पति-पत्नी समेत तीन जिंदा जले, पिता-बेटी की हालत गंभीर

बीएनएम@मोतिहारी

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना घोड़ासहन थाना क्षेत्र की है। जहां एक घर में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोगों की हालत गंभीर है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम पहुंची है। वहीं घर में बंद लोगों को बाहर निकाला गया है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार पड़ति सुबोध अपने परिवार के साथ बीती रात घर के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर सोए थे। सुबह मॉर्निंग वॉक को निकले लोगों ने घर से धुआं उठता देखा लेकिन घर के अंदर के लोगों को आग लगने की कोई जानकारी नहीं थी। बाहर से लोगों ने शोर मचाया तब तक आग अंदर फैल चुकी थी। घर के अंदर के लोग ताला खोलकर बाहर निकल पाने में असमर्थ थे।

आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और घर के अंदर फंसे लोगों को निकालने में जुट गई. इस दौरान घर के मालिक सुबोध छत से नीचे कूद गए. फायर ब्रिगेड की टीम और स्थानीय लोगों की मदद से छत के रास्ते चार लोगों को किसी तरह बाहर निकाला गया. जिन्हें स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के लापरवाही से तीन लोगों की मौत हो जाने की बात बताई जा रही है।

उपराष्ट्रपति आज देंगे अपना संबोधित

नई दिल्ली। विधि एवं न्याय मंत्रालय भारतीय विधि संस्थान के सहयोग से रविवार 26 नवंबर को यहां विज्ञान भवन में संविधान दिवस मनाएगा। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि होंगे। वे पूर्ण सत्र में मुख्य भाषण देंगे। इस संगोष्ठी का उद्देश्य विश्व और उसमें रहने वालों की भलाई के साथ संवैधानिक मूल्यों और वैश्विक आकांक्षाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध का पता लगाना भी है। 26 नवंबर, 1949 को भारत के लोगों ने संविधान को अपनाया था। इस वर्ष समारोह के अंग के रूप में पांच तकनीकी सत्रों वाली एक राष्ट्रीय स्तर की परिवर्तनकारी संगोष्ठी रविवार 26 नवंबर को अपराह्न 2 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। इससे कानूनी विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और शिक्षा जगत सहित अन्य लोगों को 2047 के विजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश के कानूनों की सुधारात्मक जरूरतों पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिलेगा।

सतर्कता | पहचान के अनुसार फैसलाबाद निवासी रबीब बिलाल भारत में घुसपैठ करते धरा गया

फिरोजपुर में बीएसएफ ने पकड़ा पाकिस्तानी घुसपैठिया

बीएनएम@चंडीगढ़

बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर फिरोजपुर सेक्टर से एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को काबू किया है। पकड़ा गया घुसपैठिया पाकिस्तानी नागरिक है। बीएसएफ के अनुसार आरोपित को शुक्रवार की रात जेसीबी बैरियर के पास से बीएसएफ 155 बटालियन के जवानों द्वारा भारतीय सीमा में घुसपैठ करते हुए पकड़ा गया है।

पाक नागरिक से बरामद हुए आधार कार्ड के अनुसार युवक की पहचान रबीब बिलाल निवासी फैसलाबाद के तौर पर हुई है। आधार कार्ड के अनुसार वह पाकिस्तान स्थित कोसी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड पर मशीन ऑपरेटर के रूप में काम करता है। तलाशी के दौरान उसके पास से दो आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, माचिस व टूथब्रश बरामद हुआ।

पकड़े गए आरोपित से बीएसएफ के जवानों द्वारा पूछताछ की जा रही है। इसके बाद ही पता चल सकेगा कि उसका भारत की सीमा में दाखिल होने के पीछे क्या कारण है। फिलहाल पकड़े गए आरोपित के पास से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं बरामद हुई है, परंतु उसने भारतीय सीमा में क्यों प्रवेश किया, इसकी जांच सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की जा रही है। बीएसएफ द्वारा आरोपित की बॉडी स्कैन करवाई जाएगी, जिससे यह पता लग सकेगा कि उसके शरीर में किसी तरह की चिप आदि तो नहीं है।

जन सुराज कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर संपन्न

राजद-जदयू और भाजपा को सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं: संजय

बीएनएम@मोतिहारी

बिहार को रसातल में पहुंचाने में सभी राजनैतिक दल समान रूप से जिम्मेदार है। बिहार में व्याप्त गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी की समस्या को सभी दलो ने मिलकर विकराल बना दिया है। जिसमे राजद-जदयू और भाजपा समान रूप से जिम्मेदार है,अब इन दलो को सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है। उक्त बाते जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने मोतिहारी स्थित जनसुराज कार्यालय में शनिवार को कही।

उन्होंने कहा पिछले बत्तीस वर्षों से बिहार में जात-पात और धर्म-मजहब की राजनीति हो रही है। पन्द्रह वर्षों तक लालू यादव-राबड़ी देवी की सरकार ने जात-पात की राजनीति कर जंगल राज चलाया, तो नीतीश कुमार ने सांप्रदायिकता फैला कर सत्ता हथियाने वाली भाजपा के साथ मिलकर बिहार को रसातल में पहुंचा दिया। इन तीनों दलों की सरकारो ने बिहार में गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी को बढाया है। उन्होने कह कि इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाबजूद इन सरकारो ने बिहार में कोई कल कारखाना नहीं खोला,गया और ना ही शिक्षा की सुदृढ़ व्यवस्था की गई।

ठाकुर ने कहा कि दस वर्षों से देश में भाजपा की सरकार चल रही है। लेकिन पीएम मोदी को बिहार और बिहारियों की दुर्दशा आज तक नहीं दिखाई दी। पन्द्रह वर्षों तक भाजपा के समर्थन से जदयू के नीतीश कुमार की सरकार चलती रही, लेकिन एक भी बड़ा कारखाना नहीं खोला गया। जबकि गुजरात में रोज नये कारखाने लगाए जा रहे हैं। ढ़ाई करोड़ बिहारी यहां से पलायन कर देश के दूसरे प्रदेशों में मजदूरी कर रहे हैं, जहां अपमान और जिल्लत की जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

उन्होने कहा कि बिहार में एक बड़े परिवर्त्तन को लेकर जन सुराज के प्रणेता प्रशांत किशोर गांवों में पदयात्रा कर रहे हैं। जहां लोगो की भारी उमड़ रही है।जिससे यह साफ होता है,कि जनता सब कुछ समझने लगी है। उन्होने कहा कि जन सुराज बिहार में तीसरा राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित हो रहा है। मौके पर जिला प्रवक्ता रवीश मिश्रा,डॉ मंजर नसीम, ई. अजय कुमार आजाद, जिला अध्यक्ष वीर प्रसाद महतो, महासचिव जयमंगल कुशवाहा, जिला महिला अध्यक्ष विभा शर्मा, सिकरहना अनुमंडल अध्यक्ष मुन्ना सिंह, सिकरहना के प्रवक्ता साहेब राज, हरसिद्धि प्रवक्ता डॉ. इस्माइल अंसारी आदि मौजूद थे।

लघु व्यवसाय से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त

बेगूसराय। यहां बकरी, पालन, गाय पालन, मुर्गी पालन आदि गतिविधियों का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। कई परिवारों के द्वारा सूक्ष्म व्यवसाय के साथ-साथ पशुपालन का भी कार्य किया जा रहा है। वर्तमान समय में राज्य के कई गांवों में सतत जीविकोपार्जन योजना संपोषित सूक्ष्म उद्यम का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के तहत लाभार्थी परिवारों द्वारा निर्मित वस्तुओं की बिक्री के लिए रिटेल चेन एवं क्लस्टर आधारित उद्यमों का भी विकास किया जा रहा है। गरीब परिवारों ने इस योजना की मदद से जीविकोपार्जन के विविध साधनों को अपनाकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है। एक समय था जब इनके घरों में दो वक्त की रोटी का भी संकट था। कई ऐसे परिवार थे, जो पहले दूसरों के घरों में मांगकर गुजारा किया करते थे। लेकिन अब इस योजना की मदद से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर उन्होंने समाज में एक नई पहचान बनायी है।

लापता युवक का कुंए में मिला शव, मचा कोहराम

बेगूसराय। बेगूसराय में 15 दिन से लापता एक युवक का शव सड़े-गले हालत में शनिवार की देर शाम कुएं से बरामद किया गया है। शव मिलने की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पहुंच कर कुंए से शव को बाहर निकलवाया है।

घटना एफसीआई सहायक क्षेत्र के किरण पोखर गंगा ब्रिज बहियार स्थित सुनसान कुंए की है। मृतक अजय कुमार उर्फ राजीव कुमार महतो एफसीआई सहायक थाना क्षेत्र के बीहट मसनदपुर निवासी राजकुमार महतो का पुत्र है। परिजनों ने बताया कि बीते नौ नवम्बर से वह गायब था और काफी कोशिश के बाद थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया था।

परिजनों ने बताया कि अजय कुमार उर्फ राजीव कुमार महतो को फोन से बुलाया गया था। पुलिस ने उस दौरान जांच पड़ताल के लिए हिरासत लिए युवक को छोड़ दिया था। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला और शनिवार को ग्रामीण युवकों के साथ गांव के गंगा ब्रिज बहियार में ढूंढने पर पहले उसका चप्पल मिला। उसके बाद ढूंढते-ढूंढते कुएं में तैरते अवस्था में शव मिला।

परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पहले वह प्रतिबंधित शराब का धंधा करता था और वर्तमान में छोड़ चुका था। फिलहाल शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस मौत के विभिन्न पहलुओं पर गौर करते हुए पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। शव मिलने के बाद ग्रामीणों ने कोलबोर्ड सड़क को मसनदपुर गेट के सामने जाम कर दिया।

जीविका से जुड़कर बिहार में एक लाख 67 हजार परिवारों ने शुरू किया व्यवसाय

आर्थिक सशक्तीकरण के साथ सामाजिक विकास में भी भागीदार बना जीविका

बेगूसराय। ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक समृद्ध बनाने के लिए चल रही जीविका योजना ना केवल आत्मनिर्भरता का श्रोत बन गया है। बल्कि, यह महिलाओं को पहचान और आवाज दे रहा है। आज महिलाएं उद्यमी बन रही हैं, कृषि और पशुपालन कर रही है, ग्रामीण बाजार चला रही हैं।

बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद इससे प्रभावित परिवारों एवं अत्यंत निर्धन परिवारों को जीविकोपार्जन के स्थायी साधन उपलब्ध कराने के लिए अगस्त 2018 में सतत जीविकोपार्जन योजना शुरू की गई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शराबबंदी से प्रभावित परिवारों के साथ-साथ समाज के अत्यंत निर्धन परिवारों को जीविकोपार्जन के साधन उपलब्ध कराते हुए, उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल करना था। जिसमें सफल है।

इस योजना के तहत लाभार्थी परिवारों को जीविकोपार्जन के साधन उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके साथ ही इन परिवारों को इतना सक्षम बनाया जाता है, जिससे वे जीविकोपार्जन के इन साधनों का संचालन स्वयं कर सकें और इससे आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

इसका सकारात्मक परिणाम है कि ग्रामीण क्षेत्र में शुरू की गई इस योजना की सफलता को देखते हुए अब इसे शहरी क्षेत्र में भी लागू किया जा रहा है। शहरी क्षेत्र के लाभुक इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। सतत जीविकोपार्जन योजना ने अत्यंत निर्धन परिवारों को विकास की मुख्य धारा से जोड़कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने में सफलता पाई है। समाज के ऐसे निर्बल परिवारों को जीविकोपार्जन गतिविधियों से जोड़कर आर्थिक रूप से सबल बनाया गया है।

अब वे आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। सतत जीविकोपार्जन योजना के सफल क्रियान्वयन में जीविका सामुदायिक संगठनों की उल्लेखनीय भूमिका रही है। योजना के लिए लक्षित परिवारों की पहचान, लाभार्थी परिवारों को योजना के तहत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तथा जीविकोपार्जन के साधनों के सृजन में सामुदायिक संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्थानीय स्तर पर जीविका महिला ग्राम संगठन के नेतृत्व में सामुदायिक संसाधन सेवियों द्वारा अत्यंत गरीब परिवारों की पहचान की जाती है।

नजीर | विशेष न्यायाधीश उत्पाद दीपक कुमार ने सुनाई सजा

दो शराब तस्करों को सात-सात वर्ष की सजा

बीएनएम@नवादा

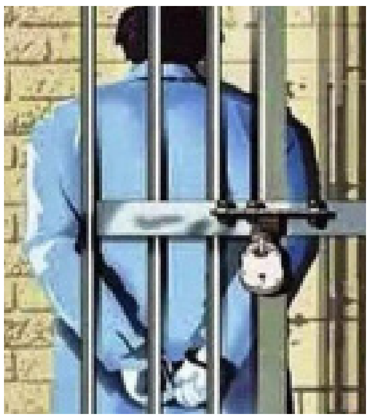

देशी शराब के साथ पकड़ाये दो तस्करों को शनिवार को 7-7 साल का सश्रम कारावास व एक- एक लाख रुपये जुर्माने की सजा मिली है।

विशेष न्यायाधीश उत्पाद दीपक कुमार ने शराब बरामदगी के एक मामले में दो आरोपी को 7 - 7 साल कारावास की सजा सुनाई है और साथ ही एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

उत्पाद के प्रथम विशेष न्यायालय के न्यायाधीश दीपक कुमार ने गया जिले के जमैता फतेहपुर गांव के निवासी अनीश कुमार उर्फ मनीष कुमार तथा वजीरगंज के चंद खुर्द गांव के अंकित कुमार उर्फ संतोष यादव को यह सजा सुनाई है।

यह मामला सिरदला थाना कांड संख्या 755/22 से जुड़ा है. अनुमंडलीय अभियोजन पदाधिकारी मो इम्तेयाज फारूकी ने बताया की 31 दिसंबर 2022 को सिरदला थाना की पुलिस को सूचना मिली थी कि दो बाइक पर सवार दो युवक द्वारा शराब की तस्करी की जा रही थी।

सूचना पर पुलिस ने वाहन जांच के क्रम चंदवारा गांव के झकटीया मोड़ के समीप दो बाइक पर लदे 282 लीटर देशी शराब को बरामद किया था। यह शराब अलग-अलग प्लास्टिक पाउच में बरामद किया गया था और मौके से एक शराब कारोबारी अनीश कुमार को गिरफ्तार किया गया था जबकि दूसरा धंधेबाज मौके से फरार होने में सफल रहा था ।बाद में उसे भी गिरफ्तार किया गया था।

अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी मो इम्तेयाज फारूकी ने बताया कि साक्ष्य व गवाहों के बयान के आधार पर अनीश कुमार और अंकित यादव को बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत दोषी पाया गया जिसके बाद उन्हें सजा सुनाई गई।

फिलहाल उत्पाद के प्रथम विशेष न्यायालय के न्यायधीश दीपक कुमार द्वारा सजा सुनाने के बाद दोनों शराब कारोबारी को जेल भेज दिया है ।

कवि जाँच घर
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

नेपाली शराब के साथ दो धंधेबाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

बेतिया। बेतिया पुलिस जिला स्थित सिकटा थाने के प्लस टू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,सिकटा के नजदीक से पुलिस ने बिना नम्बर के बाइक पर लदे 149 बोतल नेपाली शराब समेत दो धंधेबाज को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार धंधेबाज में मझौलिया थाना क्षेत्र के गुरुचुरवा गांव के कृष्ण कुमार और धनंजय यादव शामिल है।

थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रमेश कुमार महतो ने आज बताया कि सूचना मिला कि पड़ोसी देश नेपाल की ओर से भारी मात्रा में शराब की खेप भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाला है।सूचना मिलते ही विद्यालय,सिकटा के इदगीर्द नाकेबंदी कर दी गई।जैसे ही बिना नम्बर के एक बाइक पर दो सवार पहुंचे जवानों ने रोककर तलाशी ली।तलाशी के दौरान उनके पास से जुट के बोरे में रखे एक बोरे से 90 बोतल कस्तूरी निम्बू फ्रेस व दूसरे बोरे से कस्तूरी प्रीमियम 35 बोतल तथा 24 बोतल कस्तूरी निम्बू फ्रेस जब्त की गई।थानाध्यक्ष महतो ने मामले में एफआईआर दर्ज कर दोनों धंधेबाज को आज जेल भेज दिया गया है।

डीएम व एसपी ने महोत्सव की तैयारी का लिया जायजा

बीएनएम@केसरिया

तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर तैयारी तेजी से चल रही है। आयोजन की तैयारी को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड आदि का जायजा लिया। डीएम सौरभ जोरवाल ने हैलीपैड व आयोजन स्थल पर बन रहे पंडाल एवं पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। वही एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा की। अधिकारी द्वय द्वारा इस आयोजन के दौरान विधि व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, स्वास्थ सुविधा, लाइटिंग, महिला, पुरुष दर्शकगणों के बैठने की सुविधा , साफ-सफाई,यातायात व्यवस्था, वाहन पार्किंग आदि को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर एसडीओ शंभुशरण पाण्डेय, श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश, पुलिस निरीक्षक गौरी कुमारी, डीपीआरओ गुप्तेश्वर कुमार, अवर निबंधक दिव्यांशु दिव्याल, सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना कुमारी, नपं ईओ समीर कुमार समेत कई उपस्थित थे।

महिला का सिर कटी लाश का नही मिला सुराग, डॉग स्क्वायड की टीम ने घंटो की खोजबीन

बेतिया से पहुंची थी डॉग स्क्वायड की टीम

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के पताही थाना क्षेत्र के जिहुली घाट के समीप मिला महिला सिर कटी लाश के सिर की तलाश के लिए शनिवार को बेतिया से पहुंची डॉग स्क्वायड की टीम ने पताही थाना क्षेत्र के जिहुली घाट पहुंचकर पताही थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह की मौजूदगी में घटना स्थल सहित आस पास सघन जांच किया।

इस दौरान खोजी कुत्ता पुल के अंदर चारों ओर सतह को सूंघते हुए सड़क की ओर आया। उसके बाद घटनास्थल से खोजी कुत्ता को सड़क के हर तरफ ले जाया गया। तेजी के साथ खोजी कुत्ता घटनास्थल से तकरीबन 400 मीटर की दूरी का सफर तय कर खोजी कुत्ता फिर वापस हो गया,लेकिन महिला के कटे सिर को खोजने में नाकाम रहा। नतीजन डॉग स्क्वायड टीम को वापस होना पड़ा।मौके पर पताही थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के साथ संजय चौधरी के साथ अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

पटना चलने का किया गया आह्वान

बेतिया। भाकपा-माले का किसान मजदूर संघर्ष यात्रा बैरिया, नौतन, जगदीशपुर में सभा किया। सभा के दौरान माले नेता सुनील कुमार राव ने कहा कि 26-27-28 नवंबर 2023 को पटना में ऐतिहासिक तीन दिवसीय "किसान-मजदूर महापड़ाव ऐतिहासिक होगा"। संयुक्त किसान मोर्चा और केन्द्रीय श्रमिक संगठन के आह्वान पर 26-27-28 नवम्बर 2023 को देशभर की सभी राज्य राजधानियों में राजभवन के समक्ष तीन-दिवसीय "किसान-मजदूर महापड़ाव" आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक कार्रवाई में बिहार के हजारों किसान और मजदूर 26 नवंबर 2023 को 11 बजे दिन से पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर एकजुट होंगे।

योजना | 20 दिवसीय मोटर मैकेनिक प्रशिक्षण की भी की दी गई शिक्षा

महिला सशक्तिकरण के लिए 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण सम्पन्न

बीएनएम@मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल मोतिहारी के निर्देशानुसार एस.एस.बी. कैम्प अठमोहन के द्वारा के.सी. विक्रम उप-महानिरीक्षक स.सी.ब. पटना की अध्यक्षता में पंचायत भवन विशुनपुर-1 में सीमावर्ती क्षेत्रों के गरीब और बेरोजगार चयनित युवकों के लिए चलाये जा रहे 20 दिवसीय मोटर मैकेनिक प्रशिक्षण और महिला सशक्तिकरण के लिए 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण के समापन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विक्रम उप-महानिरीक्षक ने सभी प्रशिक्षुओं को बताया कि भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर सीमा के युवक व युवतियों के कौशल विकाश हेतु ऐसे रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण सशस्त्र सीमा बल के माध्यम से दिया जाता रहा है जिससे सभी बेरोजगार ग्रामीण इसका लाभ उठा कर अपने को स्वालंबी बना रहे है I इस प्रशिक्षण में सीमावर्ती क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीण आकर निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करते है और रोजगार अपनाते है I कार्यक्रम में उपस्थित राजा राम पासवान ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल के द्वारा कराए जा रहे ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से सभी ग्रामीणों का कौशल विकास हो रहा है, लोग सीमा पर गलत कार्यो को छोड़कर अपने को अच्छे कार्यों में निहित कर रहे है और लोग स्वालंबी बन रहे है साथ ही उससे व्यवसायिक लाभ भी प्राप्त कर रहे है I वहीं स्थानीय थानाध्यक्ष झरौखर शशि भूषण शर्मा ने भी एस.एस.बी. के द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण के द्वारा यहाँ की बेरोजगार युवकोंको को रोजगार प्राप्त हो रहा है Iकार्यक्रम के अंत मे विक्रम उप- महानिरीक्षक, प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट, राजाराम पासवान बी.डी.ओ. बनकटवा, अंसल श्रीवास्तव सहा. कमान्डेंट, शशिभूषण शर्मा थानाध्यक्ष झरौखर, स्थानीय मुखिया विशुनपुर प्रतिनिधि मनोज जायसवाल, सरपंच कोरैया शशिनंदन, सरपंच कवैया दिनेश कुशवाहा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा संयुक्त रूप से सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण प्रत्र दिया गया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई I

वहीं एस. एस. बी. के द्वारा कराये गए इस प्रशिक्षण की काफी चर्चा व भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है ।

भेड़यिरी गन्ना कांटे पर घट तौली को लेकर किसानों का प्रदर्शन

पुलिस ने समझाबुझा कर मामले को कराया शांत

बगहा चीनी मिल पर किसानों का शेषण करने का आरोप

बीएनएम@बगहा

बगहा अनुमंडल के वाल्मीकिनगर क्षेत्र स्थित भेड़यिरी गन्ना क्रय केंद्र (कांटा) पर घट तौली को लेकर गन्ना किसानों ने घन्टों प्रदर्शन किया ।किसानों का कहना है कि कांटे पर गन्ना तौल में प्रतिदिन प्रति गाड़ी एक क्विंटल 35 किलो की घटतौली की जा रही है। किसानों ने कहा कि तिरुपति सुगर्स लिमिटेड बगहा के एमडी एवं जीएम को कई बार शिकायत की गई है। लेकिन इसका सुधार नहीं हो पा रहा है। आगे किसानों ने कहा कि ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था भी सही ढंग से नहीं होने के कारण ढुलाई की गति धीमी है। किसानों को चीनी मिल के द्वारा शोषण किया जा रहा है। इसको लेकर कई बार चीनी मिल के क्षेत्रीय अधिकारी को भी शिकायत किया गया है। परंतु किसानों का दुख दर्द कोई सुनने वाला नहीं है। एक महीना के अंदर तीन बार किसानों ने घटतौली को पकड़ा है। बताते चले की गन्ना किसानों के द्वारा इस बाबत वाल्मीकिनगर थाने में एक आवेदन देकर घटतौल में गड़बड़ी को रोकने व जांच कर न्याय की गुहार लगाई है साथ ही आवेदन में यह भी कहा गया है कि हम किसान भाइयों को बगहा चीनी मिल के द्वारा शोषण किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची वाल्मीकिनगर थाना के अवर निरीक्षक अजीत कुमार ने अपने पुलिस बल के साथ गन्ना क्रय केंद्र भेड़ीहारी पहुंचकर किसानों को समझा बुझाकर घंटो बंद पड़े गन्ना क्रय केंद्र को खुलवाया और किसानों को जांच कर कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

इस अवसर पर किसानों में जितेंद्र यादव, विमल अधिकारी, हरि नारायण मुंडा,हरि किशोर सिंह, रामविलास यादव, भिखारी मुखिया, संजीव देवनाथ, रामचंद्र महतो, संजय हालदार, दिनेश कुशवाहा, अखिलेश कुमार,कृष्णा कुशवाहा, दिपलाल, अनिल कुशवाहा, रमेश चौधरी, राजा राम कुशवाहा आदि समेत दर्जनों किसान शामिल थे।

नई चेतना अभियान–पहल बदलाव की ओर उन्मुखीकरण– सह– कार्यशाला का शुभारंभ

मोतिहारी। डॉ राधाकृष्णन सभागार में आईसीडीएस के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी, मोतिहारी द्वारा ₹ नई चेतना अभियान-पहल बदलाव की ओर उन्मुखीकरण- सह- कार्यशाला का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत जिला एवं सभी प्रखंडों में लैंगिक समानता, हिंसा मुक्त समाज, लैंगिक हिंसा, बाल विवाह, दहेज प्रथा एवं अन्य कुरीतियों, कुप्रथा समाज में व्याप्त है। उसके संबंध में जागरूकता अभियान रैली, सखी वार्ता जिला एवं प्रत्येक प्रखंड में किया जाएगा। सहयोगी विभाग द्वारा यथा शिक्षा, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका/ सहायिका, आशा/ एएनएम, स्थानीय जनप्रतिनिधि, महिला विकास निगम के प्रतिनिधि, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, जीविका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी आपस में संबंध में स्थापित कर प्रत्येक प्रखंडों में सखी वार्ता/ रैली के आयोजन को सफल बनाएंगे। सखी वार्ता/ रैली का आयोजन माइक्रो प्लान के अनुसार पंचायती राज पदाधिकारी, जीविका एवं डीपीओ आईसीडीएस के माध्यम से किया जाएगा। जिला के महाविद्यालय से 50-50 लड़कियों का समूह की रैली निकाली जाएगी। महाविद्यालय में महिला जागरूकता, उनके अधिकार के संबंध में रंगोली प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, खेलकूद आदि प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

जिला शिक्षा विभाग द्वारा 2023 में इंटर/ मैट्रिक में प्रथम तीन लड़कियों का नाम, आधार नंबर, अकाउंट नंबर उपलब्ध कराएंगे, ताकि उन्हें 5000 की राशि दी जा सके। इस कार्यशाला में जेंडर शपथ भी दिलाई गई।

आज, नई चेतना अभियान के प्रथम दिवस के अवसर पर ,हम शपथ लेते हैं कि हिंसा के खिलाफ हमेशा आवाज उठाएंगे और कभी मूक दर्शक बनकर नहीं रहेंगे।

हम शपथ लेते हैं की सहायता मांगने एवं सहायता देने में पीछे नहीं रहेंगे और सबको हिंसा के खिलाफ जोड़ेंगे। हम शपथ लेते हैं कि सबके साथ समान व्यवहार करेंगे और इसकी शुरुआत हम अपने घर से करेंगे ।हम शपथ लेते हैं कि लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ चुप्पी तोड़ेंगे। इस अवसर पर सहायक समाहर्ता, सिविल सर्जन, डीपीओ आईसीडीएस, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला परियोजना प्रबंधक जीविका, सभी सीडीपीओ, शिक्षा, महिला विकास निगम आदि के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

आदिवासी महिलाएं स्वरोजगार की राह पर अग्रसर

बेतिया/बगहा। बगहा में तकरीबन 200 आदिवासी महिलाएं साबुन बनाने के रोजगार से जुड़ी हैं। बकरी के दूध और ग्लिसरीन में घरेलू सामग्री और अपने आसपास के वनस्पतियों का उपयोग कर महिलाएं केमिकल फ्री साबुन बना रहीं हैं जिसका उपयोग करने से लोगों को कोई नुकसान नहीं होगा। बतादें,

वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के कदमहिया गांव की महिलाएं स्वावलंबी बनने की राह पर चल रही हैं और इसके लिए वे दिन रात मेहनत कर रहीं हैं। लेकिन उनके मेहनत का सार्थक परिणाम नहीं मिल रहा है। दरअसल साबुन बनाने के बाद उसकी ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग सही ढंग से नहीं होने के कारण बिक्री प्रभावित हो रहा है। लिहाजा महिलाएं सरकार से मदद की आस लगाए बैठी हैं।

महिलाओं के समूह का नेतृत्व कर रहीं सुमन देवी बताती हैं की साबुन बनाने के कार्य में उनके साथ 200 आदिवासी महिलाएं जुड़ी हैं और इको फ्रेंडली साबुन बना रहीं हैं। जिससे ना तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा और ना हीं इसका उपयोग करने वाले लोगों के शरीर पर कोई बुरा असर डालेगा। सुमन देवी का कहना है की नीम, मसूर, एलोवेरा, कोयला , हल्दी चन्दन इत्यादि सामग्रियों का उपयोग कर वे ऑर्गेनिक साबुन बनवा रहीं हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को रोजगार मिल सके। लेकिन उनके प्रोडक्ट्स को अभी बाजार नहीं मिल पा रहा है। साबुन बनाने के काम से जुड़ी सुनीता देवी बताती हैं की वे लोग साबुन बना तो रहे हैं लेकिन उसकी पैकेजिंग और मार्केटिंग सही से नही हो पा रहा है। सरकार या प्रशासन यदि आर्थिक या किसी भी तरह से मदद पहुंचाता तो उनके भी उत्पाद को बाजार में जगह मिलती और बड़े पैमाने पर इस रोजगार को बढ़ावा मिलता।

वहीं संगीता देवी बताती हैं की आसपास के गांव के जिन लोगों ने साबुन का उपयोग किया है वे दुबारा साबुन लेने जरूर आ रहे हैं। लेकिन नए ग्राहकों के बीच इसका प्रचार प्रसार नहीं हो पा रहा है। सरकार इसके पैकेजिंग और मार्केटिंग या ब्रांडिंग में सहायता करती तो रोजगार का बड़े पैमाने पर सृजन होता।

बता दें की साबुन निर्माण से जुड़ी महिलाएं ग्राहकों के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए विभिन्न प्रकार के अलग अलग फ्लेवर के साबुन बना रहीं हैं।

जिलाधिकारी द्वारा एफएलसी कार्य का लिया गया जायज

एसडीएम, बगहा, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सचिव रहें मौजूद

बीएनएम@बेतिया। बेतिया प्रखंड कार्यालय के समीप अवस्थित वेयर हाउस में किये जा रहे ईवीएम-वीवी पैट का प्रथम स्तरीय जाँच (एफएलसी) प्रक्रिया का शनिवार को जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा जायजा लिया गया। इस अवसर पर एसडीएम, बगहा, डॉ0 अनुपमा सिंह, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी लालबहादुर राय, वरीय उप समाहर्ता सुजीत कुमार बरनवाल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे। आगामी निर्वाचन के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुरूप ईवीएम-वीवी पैट का एफएलसी का कार्य इसीआइएल, हैदराबाद के अभियंताओं की निगरानी में किया गया है। आज प्रथम स्तरीय जाँच का कार्य पूर्ण हो गया है।

इस क्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सचिवों द्वारा एफएलसी कार्य के दौरान पांच प्रतिशत ईवीएम-वीवी पैट पर स्वयं भी मॉक पोल किया गया। अभियंताओं से बारीकी से जानकारी प्राप्त की गयी। प्रथम स्तरीय जाँच प्रक्रिया की समाप्ति के उपरांत राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सचिव संतुष्ट दिखे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा द्वारा उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं इसीआइएल के अभियंताओं से एफएलसी को लेकर जानकारी ली गयी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि एफएलसी किये गये ईवीएम-वीवी पैट मशीनों से संबंधित जानकारी जिला के आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाय। साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों एवं सचिवों को भी हस्तगत करा दिया जाय।

SB सीमा सुरक्षा के साथ करा रही है नि:शुल्क प्रशिक्षण: DIG

बीएनएम@मोतिहारी

स्थानीय एस.एस.बी. कैम्प अठमोहन (71 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल मोतिहारी) के द्वारा श्री के.सी. विक्रम उप-महानिरीक्षक स.सी.ब. पटना की अध्यक्षता में पंचायत भवन विशुनपुर-1 में सीमावर्ती क्षेत्रों के गरीब और बेरोजगार चयनित युवकों के लिए चलाये जा रहे 20 दिवसीय मोटर मैकेनिक प्रशिक्षण और महिला सशक्तिकरण के लिए 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण के समापन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विक्रम उप-महानिरीक्षक ने सभी प्रशिक्षुओं को बताया कि भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर सीमा के युवक व युवतियों के कौशल विकाश हेतु ऐसे रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण सशस्त्र सीमा बल के माध्यम से दिया जाता रहा है जिससे सभी बेरोजगार ग्रामीण इसका लाभ उठा कर अपने को स्वालंबी बना रहे है। इस प्रशिक्षण में सीमावर्ती क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीण आकर नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करते है और रोजगार अपनाते है। कार्यक्रम में उपस्थित श्री राजा राम पासवान ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल के द्वारा कराए जा रहे ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से सभी ग्रामीणों का कौशल विकास हो रहा है, लोग सीमा पर गलत कार्यो को छोड़कर अपने को अच्छे कार्यो में निहित कर रहे है और लोग स्वालंबी बन रहे है साथ ही उससे व्यवसायिक लाभ भी प्राप्त कर रहे है।

वहीं स्थानीय थाना प्रभारी झरोखर श्री शशि भूषण शर्मा ने भी एस.एस.बी. के द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण के द्वारा यहाँ की बेरोजगार युवको को रोजगार प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम के अंत मे श्री विक्रम उप- महानिरीक्षक, श्री प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट, श्री राजा राम पासवान बी.डी.ओ. बनकटवा, श्री अंसल श्रीवास्तव सहा. कमान्डेंट, श्री शशि भूषण शर्मा एस.एच.ओ. झरोखर, स्थानीय मुखिया विशुनपुर श्री मनोज जैशवाल, सरपंच कोरैया शशिनंदन, सरपंच कवैया दिनेश कुशवाहा

अन्य गणमान्य व्यक्तियो के द्वारा संयुक्त रूप से सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण प्रत्र दिया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया गया1

स्थानीय मुखिया व सम्मानित प्रतिनिधियों के द्वारा एस. एस. बी. के द्वारा कराये गए इस प्रशिक्षण की भूरी भूरी प्रशंसा की जा रही है ।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने इंडो नेपाल सीमाई थाने का अचौक किया निरीक्षण

बगहा। इंडो नेपाल सीमा स्थित वाल्मीकिनगर थाने का औचक निरीक्षण बगहा पुलिस जिले के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार देवेन्द्र ने किया। पूछे जाने पर श्री देवेन्द्र ने बताया थाना कांडों की समीक्षा और अन्य कार्यों की समीक्षा की गई है। पाया गया है कि अधिकतर अधिकारियों के पास कार्य का भार कम होने से विधि व्यवस्था निर्धारण में वह अपना बेहतर योगदान दे पा रहे हैं। ताकि पुराने कांडों का निष्पादन शीघ्र किया जा सके। अधिकारियों के पास कार्य भार कम होने से वे विधि व्यवस्था निर्धारण में बेहतर योगदान दे सकेंगे। इसके अलावा थानाध्यक्ष को पंजियों का संधारण करने ।लंबित कांडों का निपटारा करने, वारंटियों की धरपकड़ करने,शराब कारोबारियों पर पैनी निगाह रखने,अजनबी गतिविधियों पर नजर बनाए रखने की ताकीद की गई है। पुलिस अधीक्षक ने वाल्मीकिनगर थाने में पदस्थापित निरीक्षक सह थानाध्यक्ष विजय प्रसाद राय के कार्यों की सराहना करते हुए संतुष्टि जाहिर की।

BORDER NEWS MIRROR

Sunday 26 November 2023

Editorial

प्रभात की पहली किरण सरीखे प्रभाष जी

प्रभाष जोशी जी आज होते तो 85 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे होते। 11 बरस हो गए, आज ही के दिन काल के क्रूर हाथों ने विरल-सरल सहज-स्वभाव के प्रभाष जी को हम सबसे छीन लिया। प्रभाष जी हिंदी के ऐसे श्रेष्ठ पत्रकार थे, जिनका नाम भारतीय भाषा के देश के श्रेष्ठ 10 पत्रकारों में गिना जाता है। बात याद आती है, वर्ष 2007 में उनके रायबरेली आगमन की। हम सबने आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी युग प्रेरक सम्मान उन्हें समर्पित करने का संकल्प लिया। इस संकल्प को "सिद्ध" प्रभाष जी ने रायबरेली पधार कर किया था। लखनऊ एयरपोर्ट पर हम लोग उन्हें लेने गए। "मालवा के मान" माने जाने वाले प्रभाष जी इनसाइक्लोपीडिया तो थे ही। चलती-फिरती पाठशाला भी थे। आमतौर पर हम कार्यों की व्यस्तता के चलते आचार्य द्विवेदी स्मृति दिवस में पधारने वाले अतिथियों को रिसीव करने लखनऊ नहीं जा पाते लेकिन प्रभाष जी के नाम और काम के प्रभाव में उस दिन हम ही उन्हें रिसीव करने एयरपोर्ट गए। एयरपोर्ट पर बाहर निकलते ही उनका आशीर्वाद ग्रहण किया और रायबरेली की यात्रा प्रारंभ हो गई। प्रभाष जी के साथ वह यात्रा हमारे ज्ञान का वर्धन और नाम की नई व्याख्या करने वाली साबित हुई। प्रभाष जी ने सामान्य बातचीत में इतिहास के उस पक्ष को बताना शुरु किया, जिसे हम अपनी अल्पबुद्धि से कभी महसूस नहीं कर सकते थे। अवध के इस अंचल में अधिकांश गांवों के नाम के आगे "गंज" या "खेड़ा" लगा होता है। बातों-बातों में ही प्रभाष जी ने साफ किया कि गंज मुसलमान शासकों के बसाए हुए हैं और खेड़ा मराठा शासकों के राज्य विस्तार के प्रतीक हैं। इतिहास, साहित्य और पत्रकारिता की बातें करते-करते वह हमारे नाम पर आए। बहुत ही सहज तरीके से उन्होंने कहा कि अगर मालवा में होते तो आपके नाम का उच्चारण गौरव नहीं "गऊ-रव" होता। अपने नाम की नई व्याख्या सुनकर मन प्रफुल्लित हुआ। अभी तक तो गौरव नाम की व्याख्या गर्व से ही सुनता-पढ़ता आया था। कई विशिष्ट जनों की मंगलकामनाएं भी इस नाम के अनुरूप प्राप्त होती रही हैं।

समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

योगेश कुमार गोयल

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरुक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरुकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है। भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरुक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरुक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरुकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरुआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरुकता के जरिये इस बीमारी को शुरुआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है। यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरु कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

प्रदूषण से कैंसर के बढ़ते खतरों को रोकने की चुनौती

डॉ. रमेश ठाकुर

आमजन में अक्सर यह धारणा रही है कि कैंसर मुख्यतः तंबाकू, खैनी-गुटखा या शराब के सेवन से ही होता है। पर, कैंसर अब इन वजहों तक सीमित नहीं रहा। इस खतरनाक बीमारी ने बड़ा विस्तार ले लिया है। अब प्रदूषण के चलते भी कैंसर काफी संख्या में होने लगा है। वायु प्रदूषण से सिर्फ अस्थमा, हृदय संबंधी रोग, स्किन एलर्जी या आंखों की बीमारियां ही नहीं होती, बल्कि जानलेवा कैंसर भी होने लगा है। इसलिए जरूरी है कि वायु प्रदूषण से फैलने वाले कैंसर के प्रति ज्यादा से ज्यादा देशवासियों को जागरुक किया जाए। इस काम में सरकारों के साथ-साथ आमजन को भी भागीदारी निभानी होगी। धुंध, प्रदूषित काले बादल व प्रदूषण की मोटी चादर इस वक्त कई शहरों में है जिसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र अव्वल है। दिल्ली के अलावा देश के बाकी महानगरों का भी हाल ज्यादा अच्छा नहीं है, वहां भी लोगों को सांस लेना दूभर हो रहा है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। बहरहाल, कैंसर नए-नए रुप में उभर रहा है जिसमें दूषित वायु प्रदूषण अहम भूमिका में है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो विषाक्त और दमघोंटू प्रदूषण कई तरीके से कैंसर को जन्म दे रहा है। रिपोर्ट्स बताती है कि प्रदूषण शरीर में सबसे पहले अंदरुनी कोशिकाओं यानी डीएनए पर प्रहार कर उन्हें डैमेज करता है जो आगे चलकर कैंसर का प्रमुख कारण बनता है। इसके अलावा प्रदूषण से शरीर में इंफ्लेमेशन भी बढ़ता है और इम्यून सिस्टम को भी बिगाड़ता है। प्रदूषण को लेकर जो स्थिति इस वक्त पूरे देश में बनी है, हल्के-फुल्के मरीजों के लिए ये वक्त बहुत ही खतरनाक है। ऐसे मरीजों का वायु प्रदूषण के संपर्क में आने का मतलब है कैंसर, स्ट्रोक, श्वसन, हृदय संबंधी रोग और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं को दावत देना। डब्ल्यूएचओ की पिछले साल की एक रिपोर्ट इसी माह नवंबर में आई थी जिसमें बताया गया था कि वायु प्रदूषण से पूरे संसार में प्रतिवर्ष लगभग सात मिलियन मौतें होती हैं जिसमें भारत को दूसरे स्थान पर रखा था। स्थिति इस वर्ष भी भयंकर है। भारत में पिछले तीन वर्षों में कैंसर से अपनी जान गंवाने वालों की संख्याओं पर नजर डालें तो, सन 2020 में 7,70,230 मौतें थी। जो 2021 में बढ़ कर 7,89,202 हुई। वहीं, 2022 में यानी पिछले साल भारत में कैंसर से मरने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ, संख्या बढ़ कर 8,08,558 पर पहुंच गई। इस साल का आंकड़ा दो महीने बाद आएगा, निश्चित रुप से वो भी डरावना ही होगा। कैंसर को लेकर जागरुकता की कोई कमी नहीं है। केंद्र सरकार से लेकर सभी राज्य सरकारें भी जन जागरुकता में अग्रणी भूमिका निभाती हैं। लेकिन कैंसर है कि रुकने का नाम ही नहीं ले रहा। चिकित्सकों की मानें तो कार्सिनोजेन यानी कैंसरजनक जो कैंसर फैलाने वाला पदार्थ है जो तंबाकू, धुआं, पर्यावरण, वायरस किसी से भी हो सकता है। मौजूदा कैंसर ज्यादातर दूषित वातावरण से ही होने लगा है। चलिए बताते हैं कि भारत में 'नेशनल कैंसर जागरुकता' का आरंभ कब हुआ। सितंबर 2014 में, राष्ट्रीय कैंसर जागरुकता दिवस की शुरुआत पहली बार भारत में तबके केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा हुई। तब उन्होंने एक समिति का गठन किया और निर्णय लिया कि विभिन्न किस्म के कैंसर की गंभीरता, उनके लक्षणों और उपचार के बारे में जागरुकता फैलाई जाएगी और प्रत्येक वर्ष नवंबर की 7 तारीख को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरुकता दिवस' मनाया जाएगा। तभी से इस खास दिवस की शुरुआत हुई। वैसे इस दिवस की प्रासंगिकता अब और बढ़ गई है। क्योंकि प्रदूषण, कैंसर का कारण बन रहा है। वायु प्रदूषण से उत्पन्न कैंसर से पहला बचाव तो यही है, कि धुंध-धुआं वाले स्थानों पर मास्क लगाकर रखें और वहां से हटने के बाद अपने हाथों और मुंह को साबुन से धोएं। भारत में कैंसर रोगियों के आंकड़ों में बीते कुछ वर्षों में तेजी से उछाल आया है। जबकि, एक वक्त ऐसा भी था, जब मात्र कुछ लाख कैंसर रोगी पूरे देश में होते हैं। अब ये आंकड़ा कोई एकाध लाख तक नहीं, बल्कि कई लाखों में जा पहुंचा है। कैंसर के नए मामले बेहताशा बढ़े हैं। महानगरीय क्षेत्रों में कैंसर रोगियों की संख्या देखकर रौंगटे खड़े होते हैं। जबकि, ग्रामीण क्षेत्रों के हालात अब थोड़े बहुत संतोषजनक हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

अशोक व्यास

व्यंग्य: अ ब स द

शीर्षक पढ़कर आप लोग जरूर चौक गए होंगे कि यह अ ब स द क्या बला है। शीर्षक अ ब स द पढ़कर कुछ याद आया आपको, कुछ समझ में आया, नहीं आया ना, हिंदी माध्यम से जो पढ़े हुए हैं इस शीर्षक को पढ़कर शायद उनकी बुद्धि के कपाट जरूर खुल जाएंगे । चलिए मैं दूसरे ढंग से लिखता हूं -ए बी सी डी, कुछ समझे? आजकल तो वैसे भी हिंदी माध्यम हो या अंग्रेजी माध्यम हो एबीसीडी ही लोग जानते हैं इसलिए अ ब स द नहीं एबीसीडी कहेंगे तो सब समझ गए होंगे। अब आप कहेंगे कि इसका मतलब क्या है। हम तो ठहरे पुराने हिंदी माध्यम वाले इसलिए हमें एबीसीडी का पता नहीं था।

हमारे गणित के मास्साब जब रेखा गणित पढ़ाते थे तब वह बताते थे कि दो रेखाओं के मिलने के बिंदु के स्थान को अ ब स द कहकर समझाते थे। उस समय के मास्साब की अंग्रेजी आज के इंग्लिश मीडियम वाले टीचर से ज्यादा अच्छी थी, फिर थोड़ी प्रगति हुई तो इंग्लिश माध्यम में इनको एबीसीडी लिखने लगे। लेकिन कंप्यूटराइज युग में एबीसीडी मतलब एबीसीडी के अलावा कुछ और भी हो गया है यह रेखा, नहीं नहीं लाइन के मिलने के प्वाइंट के आगे हम कहेंगे कि किसी के नाचने के लिये थिरकते पैर जब जमीं पर टकराते है तब एबीसीडी अर्थात एनी बडी केन डांस हो जाता है। एनी बडी कैन डांस के महामंत्र ने इस देश को और इस देश में रहने वालों को चकरघिन्नी बना दिया है सब लोग घूम घूम के नाचने पर तुले हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार ब्रह्मांड का प्रत्येक ग्रह घूम रहा है। चक्कर लगा रहा है। अपनी धुरी पर या किसी दूसरे के आसपास चक्कर लगा रहा है या यूं कह लो कि नाच रहा है और आपको पता होगा कि बिंदास होकर नाचने से गुरुत्वाकर्षण टूटता है लेकिन गुरुत्वाकर्षण टूटे या ना टूटे हर आदमी को आकर्षण का केंद्र बिंदु बनाने में सबसे बड़ा योगदान डांस का होता है । इस प्रतिभा का अंतिम बूंद तक दोहन भारत में हो रहा है। नाचने की प्रतिभा का प्रदर्शन हर जेंडर के, हर उम्र के, मानव कर रहे हैं विशेषकर टीवी पर आने वाला कोई भी सीरियल हो, रियल्टी शो हो, बस नाचे जा रहे हैं, नाचने का मूड हो या ना हो, मौसम हो या ना हो, मौका हो या ना हो, दस्तूर हो या ना हो, आँगन सीधा हो या टेड़ा हो, बस उल्टा सीधा जैसा भी हो नाचे जा रहे हैं।

अब तो भारतियों की नाचने की प्रतिभा को सारे विश्व ने मान लिया है .... वही आर आर आर के नाटू नाटू याने नाचो नाचो गाने को सुनहरा भूमंडल या जिसे गोल्डन ग्लोब कहते हैं का पुरस्कार भी मिल गया है(

इस देश का प्रत्येक वयस्क अवयस्क, बच्चा बच्ची, बूढ़ा बूड़ी, पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने तक अगर कोई काम बेहतर तरीके से कर सकता है तो वह है डांस। नृत्य नहीं हुजूर आजकल नृत्य नहीं कहते डांस कहते हैं। डांस इंडिया डांस के बदले अगर नृत्य भारत नृत्य कहेंगे तो कुछ मजा नहीं आएगा क्योंकि जब प्रकृति की हर वस्तु नाच रही है तो फिर एनी बडी कैन डांस कोई भी डांस क्यों नहीं कर सकता है। एबीसीडी वन, एबीसीडी टू, एबीसीडी थ्री, फोर या आगे जितने तक गिनती चेनल वालों को आती हो। टी वी वाले हर जगह हर व्यक्ति को नचा सकते हैं।

खेत खलियान हो, डांस फ्लोर हो, चौक चौराहा हो, घर का चूल्हा चौका हो, बरामदा हो, छत हो, टेरेस हो नाच मेरी जान फटाफट हो रहा है और तो और आजकल बहू देखने के लिए हालमार्क की तरह जरूरी है एक तो उसमें संस्कार हो या ना हो सुंदर जरूर होना चाहिए, दूसरा उसे डांस करना जरूर आना चाहिए शिक्षा के साथ डांस में पारंगत होना अतिरिक्त योग्यता मानी जा सकती है।

डांस की प्रतिभा विस्फोट के लिये सोशल मीडिया के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। मौज पर डांस के वीडियो बनाकर मौज हो रही है। टिक टॉक पर डांस करते वक्त का पता ही नहीं चलता कब टिक टिक करते समय निकल जाता है। इंस्टाग्राम पर डांस का वीडियो डालकर इंस्टेंट मनोरंजन का सैलाब आ जाता है। वाट्सएप पर वाह वाह की जो वाही तबाही मचती उसका तो कहना ही क्या। वायरल फीवर से डर नहीं लगता है साहब जितना डांस वीडियो वायरल ना होने पर लगता है ।

हम यहां पर बदन तोड़ मरोड़ कर नाच कर दर्दे डिस्को हुए जा रहे हैं, अपना हुनर दिखा रहे हैं और लोग हैं कि ना तो लाइक कर रहे हैं, ना कमेंट, सबक्राईफ्स का तो सोचो ही मत। ऐसा कहीं होता है क्या? कम से कम शेयर तो कर लो उनके बाप का क्या जाता है कोई पैसा खर्च हो रहा हैं क्या। बस देख लेते है और चुपचाप आगे सरक लेते है प्रतिभा की इस देश में कोई कद्र ही नहीं करता है ।

डांस की कला का प्रदर्शन अगर देखना और वह भी लाइव तो चुनाव परिणाम वाले दिन देखना सबसे सुखद होता है। विजेता पार्टी ऑफिस के सामने महिलाएं, जवान, बुजुर्ग ढोल नगाड़ों की थाप पर जब रंग गुलाल से रंगीन होकर झूम झूम कर नाचते हैं तो ऐसा लगता है कि उनके साथ इस देश का प्लैटिनम जुबली मनाता स्वतंत्र होने का समारोह भी लहक लहक कर अमृत महोत्सव मनाते हुए नाच रहा है, झूम रहा है, मस्ती में मस्त हो रहा है।

लगता है कि मुंबईया फिल्मों की शादी डाट काम का काम तेजी से छलांग लगा रहा है मतलब यह है कि आओ बच्चों और बड़े सब दम लगा कर हईशा करें और दम लाकर नाचे ऐ बी सी डी करें या अ ब स द करें यानी अब, बड़े छोटे, सब दमदमादम करते हुए, नाचते हुए धमा चौकड़ी मचाएँ, नाटू नाटू करें।

डॉ सत्यवान सौरभ

बड़वा का प्राचीन झांग-आश्रम जहां बादशाह जहांगीर ने डाला था डेरा

भिवानी उपमंडल सिवानी के आखरी छोर पर स्थित गाँव बड़वा हिसार जिले को छूता है। हरियाणा के सबसे प्राचीन गाँवों में से एक, बड़वा पहले बड़-बड़वा के नाम से जाना जाता था। बड़वा गाँव कई इतिहासिक साक्ष्यों का गाँव है। इसकी तुलना हवेलियों के वैभवशाली गाँव से की गई है। यह गाँव प्राचीन समय से स्थापत्यकला, मूर्तिकला, साहित्य, चित्रकला, व्यवसाय, धर्म एवं शिक्षा के क्षेत्रों में उत्कृष्ट था। ऐसी ही एक धार्मिक धरोहर झांग-आश्रम को अपने भीतर समेटे है गाँव बड़वा। जिसका वैभव अपार और पहचान साकार।

झांग आश्रम बड़वा, हिसार शहर से लगभग 27 किलोमीटर दूर स्थित है। इसमें महंत पुरियों की समाध के साथ-साथ हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर है। कई शहरों से लोग इस ऐतिहासिक जगह पर आते हैं और वे आश्रम को जानना चाहते हैं और वे अपने जीवन में अनुसरण करना चाहते है।

इतिहास-संत पुरुष लोह लंगर जी महाराज प्राचीन समय में आज से लगभग पांच सौ साल पहले बड़वा के वन क्षेत्र में तपस्या करते थे। इसी दौरान 1620 ईसवी के आस-पास मुग़ल बादशाह (सलीम) जहांगीर (उत्तरी पूर्वी पंजाब की पहाड़ियों पर स्थित कांगड़ा के दुर्ग) काँगड़ा जाने के लिए इसी रस्ते से गुजरे थे। इस दौरान उनकी सेना ने आराम करने के लिए इस क्षेत्र में पड़ाव डाला था। तभी इनकी मुलाकात संत पुरुष लोह लंगर जी महाराज से हुई। पीने के पानी की समस्या से त्रस्त बादशाह जहांगीर की सेना ने यहाँ तालाब की खुदाई कर डाली जो आज जहांगीर तालाब के नाम से मशहूर है।

कालक्रम- लोहा लंगर जी की मृत्यु के सालों बाद महंत बिशंबर गिरी जी ने इस आश्रम का जिम्मा संभाला और जब तक जीवित रहे यही रहकर तपस्या की और अंतत जीवंतसमाधी धारण की। उनके बाद महंत चरणपुरी महाराज ने आश्रम की परंपरा को आगे बढ़ाते हुये यहाँ धार्मिक अनुष्ठान जारी रखे और जीवंत समाधी को प्राप्त हुए। उनके बाद संत पुरुष हनुमान गिरी जी और महंत सेवागीरी जी महाराज आश्रम की गद्दी पर रहे।

मान्यता-बड़वा के झांग आश्रम के बारे गाँव और आस -पास के लोगों की मान्यता है कि झांग -आश्रम क्षेत्र क़े लिए एक आध्यात्मिक चमत्कार है। लोगों की मान्यता है कि आश्रम के संत पुरुषों के प्रताप और दैवीय शक्ति का ही परिणाम है कि बड़वा के आस-पास के क्षेत्र में ओला वृष्टि और टिड्डी दल से नुकसान झेलना पड़ता है। मगर आश्रम के आदि प्रभाव की वजह से गाँव बड़वा के क्षेत्र में ऐसा पिछले पांच सालों में भी नहीं हुआ।यही नहीं यहाँ के बुजुर्ग लोगों में एक किंवदंती भी है कि आश्रम के महाराज चरण पुरी जी मायावी शक्तियों के धनी थे। उनका दावा था कि गाँव बड़वा में कभी भी ओला वृष्टि और टिड्डी दल से एक पैसे का भी नुकसान नहीं होगा। वो एक मायावी संत थे और अपना चोला बदलने में माहिर थे। रात को वो शेर का रूप धारणकर विचरण करते थे। ये आश्रम गाँव और आस -पास के लोगों के लिए अटूट श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। लोगों को यहाँ आने पर शांति की अनुभूति जरूर होती है।

धार्मिक अनुष्ठान- वैसे तो बड़वा के झांग आश्रम में हर दिन कीर्तन-भजन और यज्ञ होते है। मगर आश्रम के सबसे प्रतिष्ठित संस्थापक संत महंत विशमबर गिरी जी की पुण्यतिथि पर एक राष्ट्रीय संत-समागम और भंडारा आश्रम की मंडली के द्वारा आयोजित किया जाता है।

डा आभा सिंह

समीक्षा: समय को फेरती है 'फरफंदो'

कोई भी पुस्तक पढ़ना असल में उस पुस्तक से गुजरना होता है। कीर्ति काले जी का नया संग्रह 'फरफंदो' अपनी नाम की ही तरह सुखद आश्चर्य को समेटे एक रोचक संग्रह है। लेखिका ने अपनी समय सुचकता से पुस्तक में एक दौर दर्शाया है। वह दौर जब समाज सुरक्षा का परिचायक हुआ करता था और बचपन अल्हड़ता का। पुस्तक एक संक्षिप्त जीवनी की तरह है जो मुख्य मुख्य घटनाओं को बड़ी प्रमुखता से प्रस्तुत करती है। जीवन के उतार चढ़ाव, संकल्प विकल्प लेखिका ने बड़ी ही स्पष्टता से बयान किए हैं। जहां एक ओर किताब में पीढ़ीगत परिवर्तन नजर आता है तो वहीं दूसरी ओर सामाजिक बदलाव भी झाँकता दिखाई दे जाता है। फरफंदों को पढ़कर उस युग का पाठक एक बार समय को धन्यवाद जरूर देता है कि हमने एक ऐसे समय में बचपन बिताया जब 'बचपन बचाओ'जैसी किसी मुहिम की आवश्यकता नहीं पड़ती थी।

फरफंदों की लेखिका मूलतः एक कवियत्री है जिसकी छाप उनके शब्दचयन और प्रस्तुति की लयात्मकता में दिखाई देती है। साहित्यकार का महीन मन कितने तन्तु बुनता जाता है यह तब स्पष्ट होता है जब एक जगह लेखिका कहती है कि- पैसे का मोल जब से प्रधान होने लगा है तब से खुशियाँ वस्तु केन्द्रित हो गई है।' यह वाक्य इस बात को सिद्ध करता है कि साहित्यकार जब तक समय की करवट को ना महसूस करे तब तक वह न्यायसंगत और तर्कसंगत नहीं हो सकता। एक जगह कीर्ति जी लिखती है कि 'आज हॉबी डेव्लप करने के लिए पूरा ताम झाम उपयोग में लाना पड़ता है, बावजूद इसके खुशियों की कोई गारंटी नहीं' यह वाक्य ही आज की पीढ़ी के अवसाद ग्रस्त होने की वास्तविकता है।

'महाराज सिंह की गउशाला' एक हास्यप्रधान संस्मरण है। यह होंठों पर मुस्कान और आँखों में चमक ला देती है। बाल सुलभ मासूमियत इस संस्मरण में अधिक गहन दिखाई देती है। 'मैं खो गई, बहुबाई, ऐसे प्रसंग है जो पाठक की यादों की खिड़की खोल देते हैं। 'दीपावली तब की' एक बेचैन वाक्य के साथ शुरू होता है कि, 'जब से समय ने तेज गति से भागना शुरू किया है तब से सारे तीज त्योहार हाँफने लगे हैं।

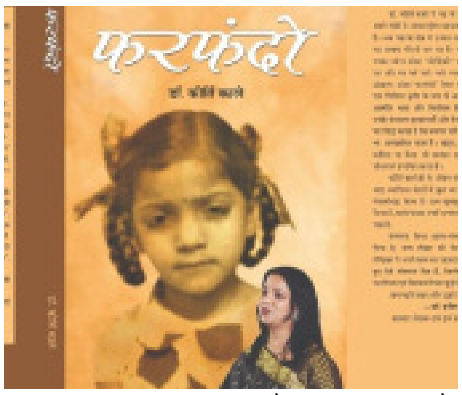

छोटे त्योहारों ने तो दम तोड़ दिया है। इस लेख में बीते दौर की गूंज साफ साफ सुनाई देती है।

फरफंदो में अभिदा और व्यंजना का चमत्कारिक प्रयोग दिखाई देता है। बंदरोबा की अभिदा में बोलती कीर्ति कहती हैं कि- बचपन संदेह करना नहीं जानता, जानता है केवल विश्वास करना' । वहीं दूसरी ओर यह वाक्य दिखाई देता है कि- इन्सल्ट-विन्सल्ट का तब आविष्कार ही नहीं हुआ था। कहना पड़ेगा की फरफंदों में मिट्टी की महक वाले बचपन की कलात्मकता तो है ही साथ ही किशोरावस्था में नई उड़ान भरने का सौंदर्यशिल्प भी है। सफलता की कीर्ति जब बढ़ने लगती है तब उम्र और अनुभव की ऊहापोह का चित्रण करते लेख माधुर्य गुण की निर्मिति करते हैं।

जहां फरफंदों में किराए का वी सी आर, ये आकाशवाणी है, आषाढ़ी एकादशी जैसे प्रतिकात्मक संस्मरण हैं वहीं आक थू ऐसा लेख है जो समय की ही नहीं तो समाज की विभीषिका को भी चित्रित करता है। इसके आस पास ही है 'फ्राक से सलवार कुर्ता' जो इस बात को रेखांकित करता है कि कोई कोई मसलों में आज भी दौर बदला नहीं है। लड़कियों की माँ तब भी चिंतित थी अब भी है। तब जाना क्या होता है मायका और पथरीली डगर की नन्ही सहयात्री आँखों की पोर भिगो देता है। 'होम डिलिवरी' एक मजेदार संस्मरण है। वैसे तो पुस्तक कहीं भी तारतम्यता टूटने नहीं देती लेकिन 'होम डिलिवरी पढ़कर मुस्कान ठहाका लगाने लगती है। समझ आता है की लेखिका गद्य और पद्य दोनों विधाओं की पारंगत है। स्त्री की बेचैनी जब मौका मिलते ही जीवन की अभिधा को व्यंजना में पिरो देती है और लक्ष्य संधान चूकता भी नहीं तब होम डिलिवरी जैसे संस्मरण यादगार बनते है। इस निष्पत्ति का एक सफल प्रयोग है फरफंदों। जितना आत्मीय पुस्तक का शीर्षक है उतना ही सफल इसका शिल्प है। निसंदेह पाठक इसे पढ़कर महसूस करता है कि बचपन की गलियों में घूमना कितना सुखद है। पैंतालीस संस्मरणों से बंधी यह पुस्तक संबंधों की घनिष्ठता का परिवर्तित होता रूप जानने के लिए एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर है।

शैम्पू करते हुए करेंगे यह गलतियां तो झड़ने लगेंगे बाल

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है।

अगर आप शैम्पू करते हुए कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स करते हैं तो इससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शैम्पू से जुड़ी उन गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपको बचना चाहिए-

बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है।

जोर से रगड़ना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह शैम्पू करते हुए बालों को तेजी से रगड़ते हैं। लेकिन आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, जिस समय आप बालों को वॉश करते हैं, उस समय वह बेहद कमजोर होते हैं। ऐसे में अगर उन्हें जोर से रगड़ा जाए तो वह टूटने लग जाते हैं। आप चाहें तो शैम्पू करने के बाद हल्की मसाज कर सकते हैं, लेकिन तेजी से रगडने से बचें।

कंडीशनर को स्किप करना

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बार-बार शैम्पू स्विच करना

कई बार ऐसा होता है कि हम टीवी में कोई ऐड देखते हैं और उससे प्रभावित होकर किसी नए ब्रांड का शैम्पू ले आते हैं। लेकिन इस तरह बार-बार शैम्पू को स्विच करना बालों के लिए सही नहीं माना जाता। कई शैम्पू में केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है और यह आपके बालों को डैमेज भी कर सकते हैं।

नाक पर पड़े चश्मे के दाग, इन नुस्खों से हटाए इन्हें

वर्तमान समय में देखने को मिलता हैं कि हर पांचवे शख्स की आंखों पर चश्मा लग चुका हैं, बड़े तो बड़े, बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं। जिनकी आंखों पर पावर का चश्मा लगा होता है उनकी सबसे बड़ी समस्या यह होती है उन्हें हमेशा चश्मा पहने रहना पड़ता है।

लगातार कई घंटो तक रोज चश्मा पहनने की वजह से हमारी नाक पर काले निशान पड़ जाते हैं, जो देखने में बेहद खराब लगते हैं। नाक पर पड़े चश्मे के ये दाग चेहरे की खूबसूरती को घटाते हैं। लेकिन घर में ही मिलने वाली कुछ चीजों का उपयोग करके आप आसानी से इन धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको बताने वाले है नाक पर बने चश्मे के काले निशानों को हटाने के तरीको के बारे में। आइये जानते हैं...

खीरा

खीरा खूब खाएं भी और इसे चश्मे के निशान को हटाने के लिए इस्तेमाल भी करें। छोटे-छोटे टुकड़े काट कर निशान वाली जगह पर रखें या फिर पेस्ट बनाकर लगाएं। 10 मिनट के लिए सूखने दें फिर पानी से साफ कर लें। खारी त्वचा को कूलिंग एफेक्ट देता है। विटामिन के होता है, जो त्वचा को चमक प्रदान करता है। दाग-धब्बों को कम करता है।

एलोवेरा

एलोवेरा की पत्ती को बीच से काट लें और उसके गूदे का पेस्ट बना लें। अब इसके पेस्ट को नाक पर बने हुए निशान पर लगाएं और हल्के हाथों मसाज करें। एलोवेरा में मॉइस्चराइजिंग और एंटी-एजिंग गुण पाए जाने के कारण यह नाक पर बनने वाले निशान को कुछ दिनों में गायब कर देगा।

टमाटर

टमाटर चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में बहुत कारगर होता है। इसमें एक्सफोलिएशन का गुण पाया जाता है। जिससे आपके चेहरे की मृत त्वचा हट जाती है। अपने चेहरे और नाक के काले धब्बे हटाने के लिए टमाटर का पेस्ट बनाकर लगाएं। इसके उपयोग से कुछ ही दिनों में आपके नाक के दाग दूर हो जाएंगे।

आलू

आलू में कई प्राकृतिक गुण होते है और इसलिए यह हमारे स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आलू में कुछ ऐसे तत्व होते है तो चेहरे के दाग धब्बों को हटाने में कारगर साबित होते है। इसलिए आंखों के नीचे और नाक पर काले निशानों को हटाने के लिए कच्चे आलू को छिलकर उसका रस निकाल लें और इसे अपने आंखों के आस पास लगाएं और पंद्रह मिनट के लिए छोड़ दें। प्रंद्रह हमनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का रस

इसे लगाने से भी त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर किया जा सकता है। नींबू के रस को आप चश्मे के निशान वाली जगह पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब पानी से साफ कर लें। नींबू के रस में मौजूद ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज दाग-धब्बों को कम कर चेहरे में निखार लाता है। इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो त्वचा को हेल्दी रखते हैं, फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं।

संतरे के छिलके

ताजे संतरे के छिलके का उपयोग करके भी चश्मे के कारण पडने वाले निशान को दूर किया जा सकता है। संतरे के छिलके को पीसकर इसमें हल्का सा दूध मिला लें और निशान वाली जगह पर हल्के हाथों मालिश करें। एंटीसेप्टिक और हीलिंग का गुण होने के कारण यह नाक पर पडने वाले निशान को गायब कर सकता है।

शहद लगाएं

नाक पर चश्में के कारण बने काले निशानों को हटाने के लिए शहद और दूध को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें थोड़ा सा जई का आटा भी मिलाएं। इस पेस्ट को निशान वाली जगह पर लगाएं।

इसे चेहरे पर बीस मिनट तक लगे रहने दें फिर ठंडे पानी से धो लें। इसे रोज लगाने की कोशिश करें। निशान जरूर दूर हो जाएंगे।

बादाम तेल

बादाम के तेल में विटामिन इ की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो स्किन पर मौजूद किसी भी तरह के निशानों को दूर करने की क्षमता रखता है। अगर आपके नाक पर भी चश्मा पहनने के कारण निशान पड़ गए है तो एक बार इस उपाय का इस्तेमाल करके देखें। इसके लिए रात को सोने से पहले रोजाना अपनी नाक के दाग वाले हिस्से पर बादाम तेल से मालिश करें। कुछ ही दिनों में दाग हमेशा के लिए गायब हो जाएंगे।

गुलाबजल

ग्लोइंग और खूबसूरत त्वचा के लिए गुलाबजल का प्रयोग बड़े स्तर पर किया जाता है लेकिन क्या आप जानती है की इसकी मदद से आप अपनी नाक पर पड़े चश्मे के दागों को भी हमेशा के लिए हटा सकती है। इसके लिए रात को सोने से पहले रुई से अपनी नाक पर गुलाबजल लगाएं। नियमित रूप से इसका प्रयोग करने से आपके दाग हमेशा के लिए दूर हो जाएंगे।

शरीर में आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं ये लक्षण

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है कि शरीर में सभी आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति की जाए। स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार खाना काफी जरूरी होता है। हमारे शरीर के संपूर्ण विकास के लिए कई सारे पोषक तत्व जरूरी होते हैं। ऐसे में पौष्टिक आहार की मदद से शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। यह बेहद जरूरी है कि इसकी कमी होने पर तुरंत ही शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

पीली त्वचा

खून में मौजूद हीमोग्लोबिन की वजह से आमतौर पर हमारी त्वचा हल्की लाल रंग की नजर आती है। लेकिन अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपकी स्किन के रंग में बदलाव आने लगता है। आयरन की कमी की वजह से अक्सर त्वचा पीली नजर आने लगती है। इसके अलावा स्किन पर काले या नीले रंग के दाग भी बन सकते हैं।

हाथों-पैरों का ठंडा होना

शरीर में आयरन की कमी होने पर हाथ-पैर ठंडे रहने लगते हैं। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपको भी हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने अंदर लगातार इस तरह के संकेत देख रहे हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

नाखूनों का कमजोर होना

आयरन की कमी होने पर इसका असर हमारे नाखूनों पर भी नजर आता है। आमतौर पर कमजोर नाखून कैल्शियम की समस्या की वजह से हो सकते हैं, लेकिन कई बार यह आयरन की कमी का संकेत भी होते हैं। ऐसे में अगर आपके नाखून भी कमजोर पर ज्यादा टूट रहे हैं, तो आपको इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बालों की समस्या

नाखूनों के साथ ही आयरन की कमी की वजह से बालों पर भी असर पड़ता है। हीमोग्लोबिन के निर्माण में आयरन एक अहम भूमिका निभाता है।

ऐसे में अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इससे आपके नाखून और बाल भी प्रभावित होने लगते हैं। दरअसल, आयरन की कमी की वजह से बालों को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे वह झड़ने और कमजोर होने लगते हैं।

आयरन की कमी के अन्य लक्षण

शरीर में आयरन की कमी अक्सर एनीमिया की समस्या को जन्म देती है। यह एक गंभीर समस्या होती है। अगर शुरुआती स्तर में इसकी पहचान कर ली जाए, तो वक्त रहते इसे सही इलाज की मदद से ठीक किया जा सकता है। आयरन की कमी के कुछ अन्य सामान्य लक्षण निम्न हैं-

थकान, बेहोशी, सिर दर्द, कमजोरी, छाती में दर्द, गले में खराश, जीभ में सूजन, सांस लेने में तकलीफ, मुंह के किनारों का फटना, दिल के धड़कन का बढ़ना।

किन चीजों से करें आयरन की पूर्ति

शरीर में आयरन की कमी एक गंभीर हालात उत्पन्न कर सकती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि समय से इसके लक्षणों की पहचान कर

शरीर में इसकी पूर्ति की जाए। अगर आप आपके शरीर में भी आयरन की कमी है, तो आप इसके कमी पूरी करने के लिए अपनी डाइट में रेड मीट और पोल्ट्री, सी फूड, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां सूखे मेवे, किशमिश और खुबानी आदि को शामिल कर सकते हैं।

Sunday
26 November 2023

BNM Fantasy

बर्थडे सेलिब्रेशन में दिखीं जाह्नवी

खुशी कपूर ने मुंबई के एक रेस्तरां में बहन जाह्नवी कपूर और दोस्तों के साथ बर्थडे लंच एन्जॉय किया। खुशी कपूर के बर्थडे सेलिब्रेशन में जाह्नवी अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ नजर आईं। जाह्नवी को अपनी बहन खुशी और शिखर के साथ रेस्तरां से बाहर निकलते हुए देखा गया। इस दौरान 'बर्थडे गर्ल' खुशी व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस में बहुत प्यारी लग रही थीं। वहीं, जाह्नवी कपूर ने हमेशा की तरह अपने लुक से ध्यान खींचा। वह रेड कलर की साइड स्लिट ड्रेस में कमाल की लग रही थीं। खुले बाल और मिनिमल मेकअप में हमेशा की तरह जाह्नवी ने लाइमलाइट चुराई।

ब

'बिग बॉस' शो में लिपलॉक करते नजर आये कंटेस्टेंट्स, वीडियो वायरल

'बिग बॉस' शो का 17वां सीजन दर्शकों के सामने आ चुका है। शो की शुरुआत से ही कंटेस्टेंट्स के बीच की लड़ाई-झगड़े हर किसी का ध्यान खींच रहे हैं। अब शो में कंटेस्टेंट्स ने हद पार कर दी है। नेटिज़न्स ने उनके व्यवहार के कारण शो की आलोचना की है। बिग बॉस-17 के हाल ही में खत्म हुए एपिसोड में ईशा मालविश और समर्थ ज्यूरियल कैमरे के सामने लिप-लॉक कर रहे थे। बिग बॉस के घर में लाइट बंद होते ही दोनों शरीर पर चादर ओढ़कर इंटीमेट होते नजर आए। बिग बॉस-17 के मेकर्स ने इस वीडियो की क्लिप शेयर की है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो में समर्थ ईशा कैमरे के सामने लिप-लॉक करते नजर आ रहे हैं। जब उन्हें एहसास हुआ कि घर में कैमरे लगे हैं, तो फिर वह अपने शरीर पर एक चादर ले लेते है। फिर अभिषेक चला जाता है। वह उनके चल रहे रोमांस को देखता है। इसके बाद वह कहते हैं कि एक शीट दो..आप दोनों शीट लेकर बैठे हैं। अभिषेक की आवाज सुनकर समर्थ तेजी से चादर से बाहर आते हैं और उन्हें चादर देते हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। एक यूजर ने कमेंट किया, "यह कितना खराब पारिवारिक शो है।" एक अन्य यूजर ने कहा, "इन दोनों को टेम्पटेशन आइलैंड पर होना चाहिए।

उर्फी जावेद की गिरफ्तारी के पीछे का सच आया सामने

अब एक्ट्रेस के खिलाफ होगी कार्रवाई

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद अपने अजीबोगरीब कपड़ों को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शुक्रवार को उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें दो महिला पुलिसकर्मी उन्हें पकड़ कर जीप में ले जाती दिख रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद दावा किया गया कि उर्फी को अजीब कपड़े पहन कर अश्लीलता फैलाने के आरोप में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, यह खुलासा हो चुका है कि उनका यह वीडियो फर्जी है। मुंबई पुलिस ने खुद इस मामले का संज्ञान लिया है और इस रिपोर्ट की पुष्टि की है कि यह वीडियो फर्जी है। यह बात सामने आई है कि उर्फी ने यह वीडियो सिर्फ प्रसिद्धि पाने के लिए बनाया है। अब उनके इस फर्जी वीडियो पर एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस ने उर्फी जावेद और वीडियो में दिख रही महिलाओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मुंबई पुलिस ने ट्वीट किया कि, 'कोई भी सस्ती पब्लिसिटी के लिए देश के कानून का उल्लंघन नहीं कर सकता! मुंबई पुलिस द्वारा अश्लीलता के आरोप में गिरफ्तार की गई महिला का वायरल वीडियो सच नहीं है। इसमें पुलिस बैज और वर्दी का दुरुपयोग किया गया है। भ्रामक वीडियो में शामिल लोगों के खिलाफ ओशिवारा पुलिस स्टेशन में धारा 171, 419, 500, 34 आईपीसी के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच चल रही है और वीडियो में दिख रहे फर्जी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वाहन भी जब्त कर लिया गया है।'